77

जुलाई-दिसम्बर, 2019

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

सनातन गाँधी से संवाद

मध्य भारती

मानविकी एवं समाजविज्ञान की द्विभाषी शोध-पत्रिका

सम्पादकीय परामर्श मण्डल

- प्रो. पी.के. राय
- प्रो. ए.एन. शर्मा
- प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी
- प्रो. अशोक अहिरवार
- प्रो. दिवाकर राजपूत
- प्रो. डी.के. नेमा
- प्रो. नागेश दुबे
- डॉ. अनुपमा कौशिक
- डॉ. प्रकाश जोशी

मध्य भारती

मानविकी एवं समाजविज्ञान की द्विभाषी शोध-पत्रिका

अंक-77, जुलाई-दिसम्बर 2019
ISSN 0974-0066 (पूर्व-समीक्षित अर्द्धवार्षिक शोध-पत्रिका)
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
UGC Care List, Group-C (Multi disciplinary), Sl.no.-15

प्रकाशित रचनाओं के अभिमत से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर या सम्पादकों की सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय पत्र व्यवहार :
मध्य भारती
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर - 470003 (म.प्र.)

दूरभाष : (07582) 297133
ई-मेल : madhyabharti.2016@gmail.com

आवरण : डॉ. छबिल कुमार मेहेर

मुद्रण :
अमन प्रकाशन
कटरा नमक मंडी, सागर (म.प्र.)

सदस्यता शुल्क			
		प्रति अंक	आजीवन
	व्यक्तिगत	रु. 150/-	रु. 2000/-
	संस्थागत	रु. 200/-	रु. 4000/-

गाँधी का इतिहास चिन्तन : आधुनिकता के समक्ष सनातनता का सत्याग्रह 161
आशुतोष

संपोष्य विकास की गाँधी दृष्टि और उसका आधुनिक परिप्रेक्ष्य 166
श्यामल किशोर

गाँधी का अहिंसा दर्शन और नयी वैश्विक व्यवस्था 173
संजय कुमार

21वीं शताब्दी में गाँधी-विचार का औचित्य 181
पंकज सिंह

गाँधी के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी विचारों की समालोचना 196
अखिल कुमार गुप्ता

भारत में सामुदायिक जन लामबन्दी और गाँधी की नई तालीम 203
ब्रजेन्द्र कुमार

महिलाओं का राजनीतिक सबलीकरण और गाँधी 215
आफरीन खान

Recontextualizing Mahatma Gandhi's Satyagraha and Swaraj in Contemporary Cultural Studies 226
Nishtha Saxena

Swadeshi : The Sure Means of Eradication of Corruption 235
Ashok Vohra

Gandhian Thoughts on Subaltern Discourse 249
R.C. Sinha

महिलाओं का राजनीतिक सबलीकरण और गाँधी

आफरीन खान

मोहनदास करमचन्द गाँधी स्वयं और बाकी दुनिया के लिए इतिहास रचने वाले एक रचनात्मक व्यक्तित्व के स्वामी थे। एक जटिल विचारक के साथ-साथ वे एक अनोखी शख्सियत के भी धनी थे। उनके चिंतन के विषय न केवल समकालिक थे वरन् समय से परे भी थे। अपने जीवनकाल में लाखों लोगों को प्रभावित एवं प्रेरित करने वाले गाँधी आज भी दुनिया भर में लोगों को प्रेरणा दे रहे हैं। उनके विचार सर्वकालिक, समयसिद्ध एवं प्रासंगिक हैं। बीसवीं सदी के नायकों में महात्मा गाँधी सबसे ऊँचे पायदान पर हैं। गाँधी ने दुनिया को सत्य, अहिंसा और शान्ति का नया मार्ग दिखाया और इसी मार्ग पर चलकर देश को उपनिवेशवाद से मुक्ति दिलाने में भी सफलता पायी।

गाँधी ने न केवल इतिहास की दिशा बदली बल्कि नये इतिहास का सृजन भी किया। जनसमुदाय खासकर वंचितों एवं सदियों से दबे कुचले लोगों की वंचना को समझने तथा उसे आवाज देने के कारण गाँधी व्यापक स्तर पर दुनिया पर असर छोड़ने में कामयाब रहे। गाँधी एक ऐसे समाज की परिकल्पना में विश्वास रखते थे जिसमें न्याय, समानता एवं शान्ति मुख्य धरोहर के रूप में हो। महात्मा गाँधी इस तथ्य को पूरी निष्ठा के साथ स्वीकार करते थे कि जब तक समाज के प्रत्येक तबके के लोगों को समानता एवं सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अधिकार नहीं मिल जाता तब तक समाज का वास्तविक विकास होना सम्भव नही है, अतः इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समाज को पुनर्गठित करना अनिवार्य है और इस पुनर्गठन में महिलाओं को निश्चित रूप से साकारात्मक भूमिका का निर्वाह करना होगा।

गाँधीजी इतिहास में एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में उभरते है जिनकी एक ओर जहाँ परम्परागत पितृसत्तात्मक भारतीय समाज में स्त्रियों को महत्वपूर्ण स्थान दिलाने और महिला सशक्तिकरण में उनके योगदान के लिए सराहना की जाती है वहीं दूसरी ओर इस बात के लिए उनकी घोर आलोचना भी की जाती है कि वो स्त्रियों को उनकी पारिवारिक भूमिका से मुक्त नहीं करते और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी की हिमायत भी उन्होनें केवल राष्ट्रीय आन्दोलन को एक जनआन्दोलन में परिणित करने के लिए किया, (किश्वर, 1986) इसी वजह से वो महिलाओं को अग्रिम पंक्ति के स्थान पर पुरुष नेतृत्व को सहायता प्रदान करने और उन्हें आत्मिक संबल देने वाली मातृशक्ति के रूप में ही देखते है। परन्तु इन सब के बावजूद चाहे गाँधीजी ने जिस भी मंशा से महिलाओं को राष्ट्रीय आन्दोलन में शामिल किया हो परन्तु उन्हें इस बात का श्रेय जरूर दिया जाना चाहिए कि उन्होने सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और उनकी सहभागिता के मार्ग को प्रशस्त

मध्य भारती-77, जुलाई-दिसम्बर, 2019, ISSN 0974-0066, *pp. 215-225*
यूजीसी केयर लिस्ट, ग्रुप-सी (मल्टीडिसिप्लिनरी), क्र.सं.-15